रजि० नं० 67056/97 POSTAL-REG.\NO.-UPKHE - 128 पृष्ठ 8 मूल्य २ रूपया

# मेरी जुबान

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष २३ अंक २० लखीमपुर-खीरी दिन मंगलवार ०१ सितम्बर २०२०

www.merijuban.com

आइए पढ़ें मेरी जुबान

# लद्दाख में 75 दिन बाद फिर तनाव, चीन ने सीमा के पास फाइटर प्लेन तैनात किये

मेरी जुबान ब्यूरो

- चीनी सैनिकों ने भारतीय इलाके में घुसपैठ करने की कोशिश की थी, भारतीय सेना ने पैंगॉन्ग सो झील के पास रोक लिया
- 15 जून को लद्दा के गलवान में चीन और भारत के सैनिकों में हिंसक झड़प हुई थी, भारत के 20 जवान शहीद हो गये थे
- भारत की दो टूक - हम बातचीत के जरिए शांति कायम करने के लिए प्रतिबद्ध, लेकिन अपनी सीमाओं की सुरक्षा प्राथमिकता

नई दिल्ली। चीन की घुसपैठ को लेकर रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक नोट जारी किया। इसमें कहा गया है कि चीन ने फिर यथास्थिति का उल्लंघन किया है। नोट के मुताबिक, २६ अगस्त की रात चीनी सेना ने पूर्वी लद्दाख के भारतीय इलाके में घुसपैठ की कोशिश की। भारतीय जवानों ने चीनी सैनिकों की इस कोशिश को नाकाम कर दिया। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इससे पहले चीन ने लद्दाख के पास अपने जे-२० फाइटर प्लेन भी तैनात कर दिए थे। रक्षा मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय सेना ने चीन के सैनिकों को पैंगान्ग सो झील के दक्षिणी किनारे पर ही रोक दिया। भारत ने यह भी कहा कि हमारी सेना बातचीत के जरिए शांति कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन हम अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना जानते हैं। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए चुशूल में ब्रिगेड कमांडर लेवल की बातचीत भी हो रही है। १५ जून को लद्दाख के गलवान में चीन और भारत के सैनिकों में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें हमारे २० जवान शहीद हो गए थे। सरकारी अफसरों के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएफ) ने होतान एयरबेस पर जे-२० फाइटर प्लेन तैनात किए हैं। ये फाइटर २६-३० अगस्त की दरमियानी रात हुई घटना के पहले ही डिप्लय किए गए। होतान एयरबेस लद्दाख से नजदीक है। चीन ने ये तैनाती रणनीति के तहत की है।

शेष पृष्ठ ७ पर देखें

# कोविड केयर सेंटर का डीएम ने किया निरीक्षण

## चिकित्सालय के भोजनालय में लगेगी रोटी मेकिंग मशीन, डीएम ने दिए निर्देश

- डीएम ने अपने सम्मुख कराई चिकित्सालय की साफ-साफाई
- सभी व्यवस्थाएं मुहैय्या कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध - डीएम

चम्मच चला कर दाल की गुणवत्ता देखते जिलाधिकारी

लखीमपुर-खीरी। सोमवार को जिला अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा मनोज अग्रवाल के साथ कोविड केयर सेंटर जगसड का औचक निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम डीएम ने चिकित्सालय में साफ सफाई के संबंध में गहनता से पड़ताल की। यही नहीं डीएम ने खड़े होकर अपने सम्मुख परिसर में गंदगी को साफ भी कराया। उन्होंने साफ सफाई कर रही टीम से सतर्कता और सावधानी के साथ अपने कार्य दायित्वों के निष्पादन करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत चिकित्सालय के भोजनालय में बन रहे भोजन की गुणवत्ता को चेक किया। डीएम ने कहा कि चिकित्सालय में भर्ती सभी मरीजों को गुणवत्ता युक्त एवं ससमय भोजन मुहैया कराया जाए। इसी के साथ उन्होंने रोटियां बनाने हेतु रोटी मेकिंग मशीन उपयोग में लेने हेतु निर्देश दिए। इसी के साथ ही चिकित्सालय के प्रभारी डा. बलबीर सिंह को निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों को सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने सभी मरीजों से बात करते हुए कहा कि प्रशासन आप सभी को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी के दृष्टिगत चिकित्सालय के तीनों तलो पर आरो प्लांट लगाए जाने के साथ ही प्रथक से गरम पानी की व्यवस्था भी कराई गई। उन्होंने

शेष पृष्ठ ७ पर देखें

# पीड़ित परिवार ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली धौरहरा के लालापुरवा की निवासी पप्पी देवी और उसकी नवजात बच्ची की संदेहास्पद मौत की गुत्थी अभी तक सुलझ नहीं पाई थी। बीती २२ अप्रैल को प्रसव के बाद पप्पी देवी की संग्धित हालात में मौत हो गई थी। जिसे आरोपित ने बच्ची को मृत जन्मी बताया था। लेकिन अस्पताल के रिकार्ड के मुताबिक वह जीवित और स्वस्थ जन्मी थी।

बता दें कि २२ अप्रैल को लालापुरवा निवासी बबलू की पत्नी पप्पी देवी ने धौरहरा के सरकारी अस्पताल में एक स्वस्थ्य बेटी को

शेष पृष्ठ ७ पर देखें

# सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

- मोटर साइकिल मालिक का भू-माफिया राज
- संबंधित अधिकारी जानकर भी अंजान

मेरी जुबान ब्यूरो

गोला-खीरी। नगर की लखीमपुर रोड पर स्थित हीरो मोटर साइकिल एजेंसी मालिक ने प्रशासनिक ढीला साजी का भरपूर फायदा उठाकर जबरदस्त अतिक्रमण किया हुआ है। नया बाईपास मार्ग को जाने वाले या उधर से आने वाले वाहनों को अगर मोड़ना है तो पहले अतिक्रमण का सामना करना पड़ता है फिर कहीं वाहन मुड़ पाते हैं। जिससे आवागमन बाधित हो रहा है, व राहगीरों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें अपनी सीमा से बढ़ाकर एजेंसी मालिक ने काफी जगह घेर कर अपने उपयोग मे कर ली है। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर मोटर साइकिलों का शोरूम बना लिया है इतना ही नहीं इसके आगे भी जगह कब्जानें की नियत रखता है।

यह सड़क बहुत व्यस्त सड़क है। यहां अक्सर बड़े वाहन निकलते रहते हैं। बड़े-बड़े डम्पर भी निकलते हैं। भूसी से भरे वाहन भी निकलते हैं। हीरो एजेंसी के आस पास का क्षेत्र डैंजर जोन बन चुका है। प्रशासनिक अमला सब कुछ जानकर भी अंजान बना हुआ है।

# सम्पादकीय

## कांग्रेस की कुंठा से भरी बयानबाजी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन के भूमि पूजन समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक बार फिर वही सब कहा, जो इसके पहले न जाने कितनी बार कह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि देश में बोलने की आजादी खतरे में है और संविधान एवं लोकतंत्र नष्ट हो रहा है। वह इतने तक ही सीमित नहीं रहीं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार न केवल देश में नफरत का जहर फैला रही है, बल्कि यह भी चाहती है कि लोग अपना मुंह बंद रखें। यही सब बातें उन्होंने दस दिन पहले भी कही थीं। सच तो यह है कि एक अर्से से वह इसी तरह की घिसी-पिटी बातें दोहरा रही हैं। लगता है कि वह राहुल गांधी से प्रेरणा ले रही हैं, जो इस तरह की तत्वहीन बातें करने में माहिर हो चुके हैं और जिसके चलते कांग्रेसजन भी उनसे आजिज आ चुके हैं। सरकार की रीति-नीति से असहमति जताने का यह मतलब नहीं कि उस पर उल्टे-सीधे आरोप लगाए जाएं और उसके हर फैसले का बिना सोचे-समझे विरोध किया जाए। पहले तो राहुल ही ऐसा करते थे, लेकिन अब सोनिया गांधी भी उनकी राह पर चल निकली हैं। उनकी ओर से बोला तो खूब जा रहा है, लेकिन उसे सुना नहीं जा रहा है। इसका कारण यही है कि उनकी ओर से कोई तुक की बात मुश्किल से ही की जाती है। सोनिया और राहुल की मानें तो हमारा देश गड्ढे में जा रहा है और कहीं कुछ भी ठीक नहीं हो रहा। आखिर यह अंधविरोध की सनक नहीं तो और क्या है कि लद्दाख में चीनी सेना की हरकत और कोरोना संकट को लेकर सरकार को जीभर कोसने के बाद यह ठान लिया गया कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं- जेईई और नीट का विरोध करना है? अगर परीक्षाएं इतनी ही गैरजरूरी हैं तो फिर राजस्थान सरकार विभिन्न् प्रतियोगी परीक्षाएं आखिर क्यों करा रही है? क्या कोरोना वायरस केवल जेईई और नीट देने वाले छात्रों के लिए ही खतरा है? सवाल यह भी है कि एक टीवी एंकर के खिलाफ कांग्रेसियों ने डेढ़ सौ एफआइआर क्या इसीलिए दर्ज कराई थीं, ताकि सोनिया गांधी बोलने की आजादी को खतरे में पड़ा देख सकें? आखिर लोकतंत्र को खतरे में देख रहीं सोनिया गांधी कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र की कितनी परवाह कर रही हैं? जो स्थिति सोनिया और राहुल की है, वही प्रियंका गांधी की भी है। उनकी भी समस्त राजनीति मोदी-योगी सरकार के खिलाफ ट्वीट करने तक सीमित है। यह राजनीति नहीं, अपने राजनीतिक विरोधी के प्रति व्यक्त की जानी वाली कुंठा है। यदि गांधी परिवार कांग्रेस का भला चाहता है तो अपनी कुंठा छोड़े।

# इतिहास केवल भूत ही नहीं इसके साथ अनुभूत भी होता है

इतिहास अमृत होता है। सतत विकासशील। जय-पराजय में समभाव। तथ्य-सत्य को ही अंगीकृत करता है। वह किसी के प्रभाव में नहीं आता, लेकिन सबको प्रभावित करता है। कालगति का तटस्थ दर्शक होता है, इसलिए इतिहासकारों को भी निष्पक्ष रहना चाहिए, लेकिन भारतीय इतिहास लेखन में अधिकांश इतिहासकारों ने स्वार्थवश मनमानी की है। कई महत्वपूर्ण घटनाओं और नायकों की उपेक्षा हुई है। तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का अपकृत्य भी किया है। इतिहास केवल भूत ही नहीं होता। यह भूत के साथ अनुभूत भी होता है। इस विवरण में जय-पराजय का लेखा होता है। हर्ष-विषाद के विवरण होते हैं। राष्ट्र जीवन को उमंग से भरने वाले प्रेरक प्रसंग भी होते हैं। शक्तिशाली पूर्वजों की स्मृति साहसी बनाती है। इतिहास में गर्व करने लायक प्रसंग होते हैं और पराजय के दंश भी। गर्वोक्ति के प्रसंग राष्ट्रीय सामर्थ्य को बढ़ाते हैं और पराजय के प्रसंग गलती न दोहराने की शिक्षा देते हैं। सशक्त और संपन्न् राष्ट्र के लिए वास्तविक इतिहास बोध अनिवार्य है, लेकिन यूरोपीय विद्वानों और उनके समर्थक भारतीय विद्वानों ने साम्राज्यवादी स्वार्थ की पूर्ति के लिए इतिहास को तहस-नहस किया। वामपंथी इतिहासकारों ने भी भारत को सदा पराजित सिद्ध करने का काम किया। इसीलिए भारत के इतिहास को नए सिरे से जांचने और प्रामाणिक बनाने की बहस काफी समय से चल रही है। भारत सदा पराजित देश नहीं रहा। भारतीय इतिहास के नायकों ने विदेशी हमलावरों और उनके उत्पीड़क शासन को कभी स्वीकार नहीं किया। बंकिम चंद्र ने लिखा था - अरब एक तरह से दिग्विजयी रहे हैं। उन्होंने जहां आक्रमण किया, वहां जीते, लेकिन फ्रांस और भारत से पराजित होकर लौटे। उन्होंने मिस्र, सीरिया, ईरान, अफ्रीका, स्पेन, काबुल और तुर्किस्तान पर अधिकार किया, लेकिन १०० वर्ष में भी वे भारत को हासिल नहीं कर सके। यह तथ्य भारत की नई पीढ़ी को अल्पज्ञात है, क्योंकि भारतीय पौरुष पराक्रम की घटनाओं और इतिहास के महानायकों की उपेक्षा की गई है। जेएस मिल ने हिस्ट्री अफ ब्रिटिश इंडिया लिखी थी। इंग्लैंड से भारत आने वाले अधिकारियों के लिए इसका अध्ययन उपयोगी बताया गया था। मिल जैसे लेखकों ने भारतीय इतिहास को ब्रिटिश इतिहास का हिस्सा बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। प्राचीन काल को हिंदू इतिहास,

मध्यकाल को मुस्लिम और आधुनिक काल को ब्रिटिश इतिहास बताया गया। सच यह है कि संपूर्ण भारत पर न कभी अंग्रेजों की सत्ता रही और न ही मुगलों की। मुहम्मद बिन कासिम मध्यकाल में पहला विदेशी हमलावर था। सिंध के राजा दाहिर ने उसे सीधे संघर्ष में पराजित किया। बाद में षड्यंत्र हुआ। दाहिर भी इतिहास में प्रशंसा के पात्र नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में बहराइच के राजा सुहेलदेव ने महमूद गजनी के निकट संबंधी सैयद सालार गाजी और उसकी फौज को हराया था। इतिहास में सुहेलदेव के पराक्रम का उल्लेख नगण्य है। केरल के मार्तंड वर्मा कई भाषाओं के विद्वान थे। उनके पौरुष पर भी इतिहासकारों का ध्यान नहीं गया। राजेंद्र चोल ने दक्षिण-पूर्व एशिया के बड़े भाग पर अपने पराक्रम का प्रदर्शन किया। बंगाल की खाड़ी को चोल खाड़ी कहा जाने लगा था। उनके पास समुद्री सेना भी थी। गर्व करने लायक इस नायक को भी भुला दिया गया। भूले-बिसरे नायकों की सूची में बंगाल के भास्कर वर्मन भी हैं। विजयनगर का साम्राज्य अपनी शासन व्यवस्था के लिए चर्चा में रहा है। कृष्णदेव राय की शासन व्यवस्था आदर्श थी। उन्होंने भारतीय सभ्यता और संस्कृति का विकास किया। उन्होंने मुस्लिम समाज को बराबर का सम्मान दिया। भारतीय स्थापत्य की तीन शैलियां मानी जाती हैं- द्रविड़, नागर और वेसर। द्रविड़ शैली का चरम विकास विजयनगर में हुआ। मीनाक्षी मंदिर इसका प्रमाण है। नूनिज और पाईस आदि विद्वानों ने इस व्यवस्था की प्रशंसा की है, लेकिन इतिहास में राजा और राज्य की प्रतिष्ठा को भुला दिया गया। यही स्थिति महाराष्ट्र में बाजीराव और बालाजी बाजीराव के साथ भी है। उन्होंने दिल्ली के लाल किले पर हमला किया। जीता। हिंदू पद पादशाही उन्हीं की अवधारणा है और अटक से कटक तक भारत के विस्तार की भी, लेकिन इतिहास में उनकी उपेक्षा हुई। यूरोपीय, वामपंथी इतिहासकारों ने बाबर, गजनी, गोरी, औरंगजेब आदि को महत्व दिया। वे मध्यकाल को मुगल या मुस्लिम इतिहास सिद्ध करते रहे। मूर्तियों, मंदिरों के ध्वंसकर्ताओं और उत्पीड़कों को योद्धा नायक की तरह पेश किया गया। मुस्लिम समाज के एक वर्ग में इसका गलत प्रभाव पड़ा। इतिहासकारों के अपकृत्य से हिंदू और मुसलमानों के नायक अलग हो गए। एकताबद्ध, सुगठित राष्ट्र में सभी वर्गों का इतिहास-भूगोल एक होता है। आंबेडकर ने यह बात ध्यान दिलाई कि यहां हिंदुओं और मुसलमानों के नायक अलग-अलग हैं। वामपंथी, यूरोपपंथी इतिहासकारों को भारत के पराक्रम और संस्कृति दर्शन की भी श्रेष्ठता नहीं दिखाई पड़ी। ये इतिहासकार प्रेरक नायकों को अनदेखा कर रहे थे। देश केवल दिल्ली ही नहीं है, लेकिन इतिहासकारों का ध्यान दिल्ली के आस-पास की घटनाओं पर ही गया। १८५७ के स्वाधीनता संग्राम को भी इतिहास में सम्मानजनक जगह नहीं मिली। उसे ब्रिटिश प्रभावित विद्वानों और वामपंथियों ने सिपाहियों का विद्रोह बताया। वस्तुतः यह अंग्रेजों से सीधी लड़ाई थी। ब्रिटिश सत्ता कांप उठी थी। डरी अंग्रेजी सत्ता ने इसी के दो साल के भीतर भारत के लिए पुलिस अधिनियम जैसे कई कानून बनाए। सावरकर ने स्वाधीनता संग्राम का वास्तविक इतिहास लिखा था। अंग्रेजों ने इसे जब्त कर लिया। वीर सावरकर पर भी कई पुस्तकें हैं, लेकिन इतिहास विरूपक उन्हें महत्व नहीं देते। इसी मानसिकता के समर्थकों और वामपंथियों ने देश में पराजित मानसिकता बढ़ाने का काम किया। ये विद्वान भारत को अशिक्षित और पिछड़ा बता रहे थे। वामपंथी इतिहासकारों ने प्राचीन इतिहास पर भी हमला बोल दिया। पूर्वज आर्यों को भी विदेशी हमलावर बताया। आत्महीनता से ग्रस्त एक नई बौद्धिक नस्ल का विकास होता रहा। आत्महीन समाज निराशा में रहते हैं। वे अब भी गलत तथ्यों के माध्यम से आत्महीनता का भाव भर रहे हैं। भारत को वास्तविक इतिहास बोध से समृद्ध करने के मार्ग में तथ्यहीन इतिहास बाधा है। भूले-बिसरे नायकों को पाठ्यक्रम सहित सभी अवसरों पर याद कराया जाना आवश्यक है। यह अच्छा हुआ कि लेखक अमीश त्रिपाठी ने सुहेलदेव पर किताब लिखी और उनके अद्भुत पराक्रम से देश को परिचित कराने का काम किया। ऐसे तमाम पराक्रमी योद्धा इतिहास में दफन हैं। आज का भारत पूर्वजों के सचेत और अचेत कर्मों का परिणाम है। संप्रति सचेत कर्म द्वारा उपेक्षित महानायकों को प्रतिष्ठित करने की जरूरत है। आत्महीन समाज में राष्ट्रीय उमंग नहीं होती। अपनी संस्कृति, सभ्यता और दर्शन पर गर्व का अनुभव नहीं होता। राष्ट्रीय गौरव बोध के लिए वास्तविक इतिहास बोध जरूरी है।

# बिजली उपभोक्ताओं ने की मांग कि रात में न करें कटौती

लखीमपुर-खीरी। कस्ता बिजली विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मनमानी के कारण मितौली बिजली उप केंद्र द्वारा संचालित कस्ता फीडर की बिजली आपूर्ति आए दिन रात्रि को २ से ३ घंटे के बीच में कटौती की जा रही है जैसा कि बीती रात ६ बजे से ११-३० बजे रात तक बिजली संचालित नहीं हुई थी इस प्रकार बिजली उपभोक्ताओं में तो रोष व्याप्त है किंतु ग्रामीण क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों द्वारा अंधेरे का लाभ उठाकर घटनाएं भी घटित होने की प्रबल संभावनाएं रहती हैं ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन से बिजली उपभोक्ताओं ने मांग की है की रात में कटौती न कर दिन में कटौती की जाए जिससे बिजली उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े पूर्व में कस्ता फीडर की बिजली समस्या को लेकर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री से प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा की गई शिकायत पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा जी द्वारा कस्ता फीडर की बिजली आपूर्ति १८ से २२ घंटे संचालित किए जाने के निर्देश जारी किए गए थे कुछ दिन तक बिजली व्यवस्था का संचालन तो ठीक तरीके से किया गया किंतु वर्तमान समय में कुल मिलाकर १२ घंटे की सप्लाई हो रही है ऐसी स्थिति में बिजली उपभोक्ताओं ने जिले पर आ रहे मंडलायुक्त से बिजली अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिकायत करने का मन बना लिया है।

# अभिभावकों के साथ खड़ा है जिला विद्यालय संघ

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। फीस माफी के मुद्दे पर फैली मांग और शंकाओं के मध्य जिले के प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधकों की चारों संघों उनके सदस्यों द्वारा एक संयुक्त मीटिंग जिले के ग्रीन फील्ड एकेडमी महेवागंज में संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जिले के समस्त प्राइवेट विद्यालय फीस के मुद्दे पर राज्य सरकार एवं न्यायालय के निर्णयों का पूर्ण तरह पालन करेंगे। जिससे इसके अंतर्गत विद्यालय बंद रहने तक वाहन शुल्क नहीं लेंगे।

सत्र २०१९-२० का शुल्क लागू रहेगा। अभिभावक शुल्क एक साथ ना जमा करके मासिक शुल्क जमा कर सकते हैं। जिले के सभी विद्यालयों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि किसी प्रकार की छूट दे पाना संभव नहीं है। कोरोना काल में वित्तीय संकट झेल रहे अभिभावकों को आर्थिक रूप से कमजोर विद्यालय प्रबंधन अपने स्तर से सहायता प्रदान करेगा। जिसके लिए इन्हें विद्यालय में साक्ष्य सहित प्रार्थना पत्र देना होगा। इस बैठक में अन्य निर्णय लिए गये जैसे - जिले का कोई भी प्राइवेट विद्यालय बिना टीसी के प्रवेश नहीं लेगा। इस बैठक में स्ववित्त पोषित विद्यालय प्रबंध संघ के अध्यक्ष रघुवीर सिंह यादव संरक्षक स्वर्ण सिंह कंबोज अन ऐडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष रमनजीत सिंह जोहर, इंडिपेंडेंट प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष गुरु कृपाल सिंह मंगत, हरबंश सिंह अजमानी, अरविंद गुप्ता, आर्यवर्त स्ववित्तपोषित प्रधानाचार्य प्रबंधक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजीव त्रिवेदी, कमलेश शुक्ला, ऋतुराज गोला से महेंद्र त्रिपाठी, कुलवंत सिंह चीमा, सतीश गुप्ता, मोहम्मदी से डा. गुरूमेजर सिंह, ढखेरवा से अफजल हुसैन, पलिया से उमेश गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, बेहजम से पंकज सिंह राठौर, निघासन से मीनाक्षी कश्यप, आचार्य संजय मिश्रा, विशाल सेठ, आदि सभी विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व शिक्षक मौजूद रहे।

# तहसील सदर के बाढ़ ग्रस्त इलाकों का हाल जानने पहुंचे कमिश्नर

**• बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के व्यक्तियों की हर संभव मदद को प्रशासन रहे मुस्तैद - कमिश्नर**

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। जिले के नोडल अधिकारी मुकेश कुमार मेश्राम ने डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ तहसील सदर के बाढ़ ग्रस्त इलाकों का जायजा लेने के लिए मिलपुरवा पहुंचे। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने बाढ़ एवं कटान प्रभावितों से मुलाकात कर समस्याएं जानी। उन्हें प्रदान की जाने वाली सरकारी मदद के बारे में भी पूछताछ कर उन्हें हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया।

इस दौरान डीएम ने बताया कि इन क्षेत्रों में जो भी फसल की क्षति हुई है उनका राजस्व विभाग द्वारा सर्वे किया जा रहा है। तथा समय समय पर बांढ़ प्रभावित व्यक्तियों को राहत सामग्री भी वितरित की जा रही है।

इस दौरान सीडीओ अरविंद सिंह,अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड शारदा नगर डीसी वर्मा, सहायक अभियंता सिंचाई खंड शारदा बैराज दीपक कुमार सहित राजस्व एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

# चुनाव के लिये सरकारी राजस्व को चूना लगा रहे ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। ब्लाक कुंभी में प्रधान पद के चुनाव के लिये ग्राम प्रधान सरकारी राजस्व जमकर लूट रहे। बताते चलें कि ब्लाक कुंभी की लगभग हर एक ग्राम सभा के प्रधान मनरेगा के नाम पर आने वाले चुनाव के लिये अपना धन तैयार कर रहे मनरेगा का कार्य लाकडाउन के चलते सरकार ने बाहर से आये हुये मजदूरों की जीविका हेतु मनरेगा का कार्य हर एक ग्राम सभा में ज्यादा से ज्यादा जाब कार्ड बनवा कर गरीबों को कार्य दिये जाने हेतु चलवाया था परंतु ब्लाक कुंभी में योगी सरकार को ताक पर रखकर भ्रष्टाचारी प्रधान उसमें भी अपना फायदा देखते हुये मजदूरों से कार्य ले रहे परन्तु मनरेगा के कार्य हेतु श्रमिको के जाब कार्ड बनाये जाते उसमें भी लगभग ३० प्रतिशत प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी की मिलीभगत से फर्जी जाब कार्ड बनाये जाते वह कैसे जो लोग मनरेगा कार्य करने हेतु जाते हैं उनकी तो सरकारी कागजों पर खानापूर्ति सही होती है परंतु अन्य व्यक्ति मनरेगा में कार्य हेतु नहीं जाते हैं फिर भी ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी की मिलीभगत के अनुसार उनके भी कार्य के नामों की उपस्थिति लिख कर भेज दी जाती है उसमे अतिरिक्त नामों की सूची पैसा लेने हेतु प्रधान के साथी समय पूरा होने पर सरकारी धनराशि को निकाल कर अपनी जेब भरते हैं सरकार लगातार गरीब व असहाय लोगों के लिये मदद करने के अनन्य जिओ पास करती है परंतु वह जमीनी स्तर पर कभी भी लागू नहीं हो पाते इस लिये गरीब तो गरीब ही रहता है वह अपनी जीविका चलाने में असमर्थ रहता जब कभी ग्राम सभा के प्रधान की जांच करायी जाती है तो वह जांच सत्य भी गलत हो जाती है जबकि योगी सरकार लगातार गरीबों के लिये परिवार चलाने हेतु काफी सुविधाये की परंतु उन गरीबों को वह सुविधाये प्राप्त नहीं हो पा रही।

# देव जुनेजा बनें राष्ट्रीय युवा वाहिनी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ

जिला संवादूदाता की रिपोर्ट

लखीमपुर-खीरी। नगर निवासी दिपांशु जुनेजा उर्फ (देव जुनेजा) को राष्ट्रीय युवा वाहिनी का उत्तर प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ पद का दायित्व सौंपा गया।

बता दें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला ने दिपांशु जुनेजा उर्फ (देव जुनेजा) को प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ का दायित्व पत्र प्रदान किया।

हिंदुत्व को एक करने का तथा हिंदू धर्म को आगे बढ़ाने व गौ वंश की रक्षा करने का निर्देश दिया।

इस मौके पर देव जुनेजा ने मिले हुए दायित्व को जिम्मेदारी से पूरा करने का निश्चय लिया। साथ ही देव जुनेजा ने गोवंश के रक्षा हेतु निरन्तर अथक प्रयास किये हैं और आगे भी करते रहेंगें। उन्होंने कहा कि गोवंश की रक्षा हेतु किसी कारण वश अगर उस स्थान पर वह नहीं पहुंच पा रहें हैं तो उनकी टीम

जरूर जाती है और बेजुबां गोवंश की हर संभव मदद करती है।

उन्होंने कहा कि संगठन ने जिस उद्देश्य से मुझे यह पद प्रदान किया है उसपर मैं तथा मेरे सभी संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा निरन्तर प्रयासरत रहकर कार्य किया जाएगा।

देव जुनेजा को राष्ट्रीय युवा वाहिनी का प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ नियुक्त किये जाने पर संगठन के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है साथ ही देव जुनेजा को सोशल मीडिया सहित अनेक प्लेटफार्मों पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

# शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाये - कमिश्नर

लखीमपुर-खीरी। जनपद के नोडल अधिकारी एवं मण्डलायुक्त मुकेश कुमार मेश्राम ने अपने जनपद भ्रमण के पहले दिन की देर शाम कलक्ट्रेट सभागार में जनपद के अधिकारियों के साथ बाढ़ की स्थिति एवं शासन की शीर्ष प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंनें उपस्थित अधिकारियों से शासन की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुँचाने के लिए पूरे ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद में संचारी रोग, साफ-सफाई के कार्यों को सभी सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित कर सम्पादित कराने के निर्देश दिये। सड़कों के किनारे अतिक्रमण हटाने कार्यालयों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की थर्मल स्कैनर तथा पल्स ऑक्सीमटर से जॉच करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनपद में जितने भी चारागाह हैं, उन सब में नैपियर तथा हीरामणि जैसी घासों का उत्पादन किया जाये, यदि किसी चारागाह पर अतिक्रमण है तो उसे तुरन्त हटाया जाये।

इससे पूर्व अधिशाषी अभियन्ता बाढ़ खण्ड ने पावर प्वाइन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से जनपद में इस वर्ष वर्षा एवं बाढ़ की अब तक की स्थिति एवं विभाग द्वारा किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विगत वर्षों की तुलना में अधिक बारिश हुई है, जिससे कुछ गॉवों में कटान एवं बाढ़ की स्थिति पैदा हुई जिस

पर कार्यवाही विभाग द्वारा की गयी है। जनपद में बाढ़ की स्थिति नियन्त्रण में है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरूण कुमार सिंह ने बाढ़ से निपटने के लिए अब तक किये गये उपायों एवं जनपद स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

पुलिस अधीक्षक, सत्येन्द्र कुमार ने जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति एवं आगामी त्योहारों के सम्बन्ध में की गयी तैयारी के बारे में जानकारी दी। मण्डलायुक्त मुकेश कुमार मेश्राम ने विभिन्न बिन्दुओं पर पुलिस अधीक्षक से जानकारी प्राप्त की तथा कुछ बिन्दुओं पर कृत कार्यवाही से सम्बन्धित तथ्यात्मक सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

मण्डलायुक्त ने विकास कार्यक्रमों के सम्बन्ध में अब तक कृत कार्यवाही की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सर्वप्रथम पिछली बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के विभिन्न खण्डों के अधिशाषी अभियन्ताओं से रोड के किनारे किये गये अतिक्रमण के सम्बन्ध में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। तथा इस सम्बन्ध में अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए अतिक्रमण हटाने सम्बन्धी कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिये।उन्होंने लखीमपुर-सीतापुर स्टेट हाइवे पर बनने वाले ओवर ब्रिजों के अब तक पूर्ण न होने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, उन्होंने स्टेट हाइवे के दोनों तरफ पटरियों को सही कराने के निर्देश दिये। उन्होंने ऑगनबाड़ी के अन्तर्गत वितरित किये जाने वाले पुष्टाहार के वितरण की तिथियों में नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश दिये। गोवंश आश्रय स्थलों की अब तक प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन गोवंश आश्रय स्थलों का निर्माण कार्य चल रहा है उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाये। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचारी रोगों के उन्मूलन के लिए चलाये जा रहे अभियान साफ-सफाई के बारे में बिस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा जनपद में जिला मलेरिया अधिकारी की नियुक्ति के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। श्रम विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सहायक श्रमायुक्त, को निर्देश दिया कि योजनाओं का बिस्तृत विवरण निर्माण कार्य से जुड़े कार्यदायी संस्थाओं, अधिशाषी अभियन्ता तथा सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को उपलब्ध करा दिया जाये जिससे जनसामान्य को इसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अन्तर्गत चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की अब तक की प्रगति की समीक्षा की तथा कमेटी शौचालय, पंचायत भवनों के निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सामुदायिक शौचालयों के चारों तरफ बायो फेन्सिंग कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि नोडल आफीसर द्वारा जो भी निर्देश दिये जा रहे हैं उनका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति ससमय कर ली जायेगी।

# शपथपत्र लेकर सीज क्लीनिकों को खोलने का दिया आदेश

लखीमपुर-खीरी। खीरी जनपद के महेवागंज कस्बे में सम्पूर्ण लाकडाउन के दौरान झोलाछाप डाक्टरों के सीज किए गए अस्पताल व क्लीनिकों के संचालकों पर फूलबेहड़ पीएचसी प्रभारी अमितेश दत्त द्विवेदी ने अपनी मेहरबानियां लुटानी शुरू कर दी है। बीते बुधवार को सभी अवैध अस्पताल व क्लीनिकों को दोबारा से खोल दिया गया है। जहां एक बार फिर से झोलाछाप डाक्टरों ने गरीब व मासूम मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने का कारोबार जारी कर दिया है। जबकि सीएचसी प्रभारी डाक्टर अमितेश दत्त द्विवेदी का कहना है कि सीज क्लीनिकों के संचालकों ने लिखित शपथ पत्र दिया है कि वह भविष्य में इन दुकानों में क्लीनिक या अस्पताल का संचालन नहीं करेंगे। जानकारी के अनुसार सम्पूर्ण लाकडाउन के दौरान महेवागंज रोड पर कई अवैध क्लीनिक व अस्पताल धड़ल्ले से चल रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर चार मई को तहसील प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पुलिस फोर्स के साथ छापेमारी कर करीब आधा दर्जन क्लीनिकें सीज कर दी थी। जिसमें एक झोलाछाप डाक्टर का मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहा कथित नर्सिंग होम तथा मेडिकल स्टोर भी सीज किया गया था। इस प्रकरण की खबर छपने पर बौखलाए झोलाछाप डाक्टरने आधा दर्जन साथियों के साथ एक हिन्दी दैनिक अखबार के पत्रकार पर हमला कर मारपीट, कार्यालय में तोड़फोड़ भी की थी। जिसमें पुलिस ने झोलाछाप डाक्टर समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इधर डाक्टर अमितेश दत्त द्विवेदी ने इन अवैध अस्पताल व क्लीनिकों को सीज करने के अलावा अन्य कोई कार्यवाही करना मुनासिब नहीं समझा। मेडिकल स्टोर की आंड में झोलाछाप डाक्टर द्वारा संचालित नर्सिंग होम में सोशल डिस्टेंसिंग के विपरीत मरीजों की काफी भीड़ पाई गई थी, ऐसी दशा में भी सीएचसी प्रभारी ने महामारी अधिनियम की धारा १८८ के तहत एक झोलाछाप डाक्टर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की जहमत नहीं उठाई। हालांकि यह चर्चा आम है कि सेटिंग गेटिंग के चलते सिर्फ सीज के अलावा कोई कार्यवाही नहीं की गई। इधर बुधवार को सभी झोलाछाप डाक्टरों ने दुकानें खोल दीं। जहां पहले की तरह फिर से मरीजों की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ का काला कारोबार शुरू हो गया। इस बाबत फूलबेहड़ सीएचसी प्रभारी डाक्टर अमितेश दत्त द्विवेदी से मालुमात की गई तो उन्होंने कहा कि लाकडाउन में महेवागंज कस्बे के दुबग्गा बाजार रोड पर पांच क्लीनिक व मेडिकल स्टोर सीज किए गए थे, मेडिकल स्टोर मालिक ने दस्तावेज दिखाये है, अन्य क्लीनिक संचालकों ने भविष्य में दोबारा क्लीनिक न चलाने का शपथ पत्र दिया है। शपथपत्र के आधार पर ही सीज दुकानो को खोलने की अनुमति दी गई है, अगर कोई भी दोबारा क्लीनिक चलाता पाया गया तो उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

# असन्तुष्टि का परिणाम ही सन्तुष्टि को जन्म देता है

*''कहा जाता है कि हम जहां भी हैं जैसे भी हें हर प्रकार से हमें सन्तुष्ट रहना चाहिए यहां पर अनुभव के आधार पर यह कहा जा सकता है कि असन्तुष्टि का परिणाम ही सन्तुष्टि को जन्म देता है। सन्तुष्टि उतनी ही उचित रहती है जिससे आत्मा मन को केन्द्रित रखा जा सके इसके अतिरिक्त होने वाली सन्तुष्टि मानसिक तर्क शक्ति तथा कामयाबी की वृद्धि में अधिक से अधिक बाधक होती है अगर हम सन्तुष्टि को गले लगाते हैं जिससे उचित अनुचित, अच्छाई-बुराई हर प्रकार से हम उसे स्वीकार कर लेते हैं जिससे हमारी विभेदन क्षमता क्षीण हो जाती है तथा जिसका पड़ने वाला प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तित्व को हिला देता है। सन्तुष्टि ही छटपटाहट की विनाशक है, जब व्यक्ति अपने पहले कदम से ही पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हो जाता है तो उसे अगला कदम बढ़ाने की अवाश्यकता ही नहीं पड़ती और अन्दर जन्में लक्ष्य सन्तुष्टि की वजह से तड़प न होने के कारण उसके प्रति रंग फीका पड़ जाता है तथा नवीन कार्यों को करने की जागरूकता का उदय होना बन्द हो जाता है तथा नवीन कार्यों को करने की जागरूकता का उदय होना बंद हो जाता है तथा समय की दौड़ में न दौड़कर निरन्तर असफलताओं की डोर में बंधतें चले जातें हैं और हमेशा स्वयं को वही पातें हैं जहां पहले थे. .....।?*

*कशिश शुक्ला*
*ग्राम इमलिया पोस्ट अजान*
*विद्या पब्लिक स्कूल*

# फांसी के फंदे पर झूलता मिला शव

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम चौरठिया निवासी स्वर्गीय कामता प्रसाद के करीब २३ वर्षीय पुत्र लाल बहादुर की लाश गाँव के बाहर पेंड़ की डाल से फांसी के फंदे पर झूलती पायी गयी। बताते हैं उसकी मां अपने भाईयों के पास रहती है। जब कि लालबहादुर गाँव के ही एक अपने बिरादरी के यहाँ रहता था। एक बाईक भी इसके पास लोगों ने देखी है। जिसको किसी जुवाँरी के पास रखे होने की चर्चाएं भी हैं। बहादुर का मर्डर हुआ है या आत्म हत्या यह तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

# गन्ना किसानों के लिए अभिशाप बना लाल सड़न रोग

मेरी जुबान गोला संवाद्दाता

गोला-खीरी। गन्ना किसानों के लिये अभिशाप बन गया है लाल सड़न रोग। इस रोग ने किसानों को बेचैन कर दिया है। बजाज चीनी मिल का पेराई सत्र माह नवम्बर से शुरू होने वाला है। पिछले पेराई सत्र का गन्ना भुगतान अभी तक हो नहीं पाया है। बरसात के महीनें में किसानों की आय के साधन लुप्त है ऐसे में यह लाल सड़न रोग (कैंसर) उनके लिये बरबादी के द्वार खोल रहा है।

बता दें उक्त रोग में गन्ने का तना भीतर ही भीतर लाल होकर सड़ जाता है और अन्दर से खोखला

हो जाता है। गन्ने का अंदर का रस सूख जाता है।

क्षेत्र के गई गांव जैसे- महराज नगर, अढ़ौला, जलालपुर, बहारगंज, ढोंगवा, बक्खारी, वजीर नगर आदि के गन्ना किसानों की फसलें इस रोग से ग्रस्त हो चुकी है।

किसानों ने बताया कि इस रोग के निदान के लिये स्प्रे या खाद के माध्यम से कीटनाशक दवाई का छिड़काव आसान नहीं है। फसल गिर चुकी है। गिरी हुयी फसल में दवाई डालना बहुत मुश्किल है और खतरा भी है।

# योगी सरकार में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं - मकरन्द

गोला-खीरी। ''पिछले विधान सभा चुनाव में गोला विधान सभा क्षेत्र में कई बड़े दिग्गजों के खिलाफ चुनाव लड़कर चौथी पोजीशन प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की।'' उक्त उद्गार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जनपद लखीमपुर के जिलाध्यक्ष मकरन्द सिंह ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मैं अपने नेता आदरणीय शरद पवार का हृदय की गहराइयों तक सम्मान करता हूँ। मैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर ही पार्टी में आया हूं। १५ वर्षों से इसी पार्टी की सेवा करता आया हूं। इसके पूर्व भारतीय समता पार्टी (अराजनैतिक) का जिला महासचिव रहा। इस पार्टी के माध्यम से समाज सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। २०१२ में एमएलसी का चुनाव लड़ा। छात्र जीवन में राजनीतिक में रूचि होने के बावजूद भी परिस्थितियों वश कर्म चुनाव लड़ने का संयोग नहीं बन सका।

उन्होंने संवाद्दाता को बताया कि मेरी पार्टी के हिन्दुस्तान के ७० जिलों में जिलाध्यक्ष अपने-अपने पदों पर रहकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रहें हैं। वर्तमान में जनपद लखीमपुर में पार्टी के कुल २७,३६० सदस्य हैं। फिलहाल तहसील, ब्लाक व वार्ड स्तर की इकाइयां भंग चल रही हैं। निकट भविष्य में इनके लिये मनोनयन किये जायेंगें।

आप योगी जी की सरकार से काफी खफा नजर आते हैं। आपके मुताबिक इस सरकार में अपराध बढ़े हैं। युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। मोदी सरकार के कटु आलोचक नहीं हैं। उनके कई कार्य जैसे - प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय योजना समेत अन्य योजनाओं की तारीफ भी करते हैं। परन्तु उज्जवला गैस योजना में चाहते हैं कि गैस सिलेन्डर की रिफलिंग भी निःशुल्क हो। नगर गोला की प्रमुख समस्याओं में से एक सीवर लाइन की समस्या के प्रति नाराजगी जताते हुये उन्होंने कहा कि नगर में जल निकासी की समस्या का समाधान तभी संभव है कि जब सीवर लाइन का संचालन होगा। जनपद स्तर की एक प्रमुख समस्या जिला अस्पताल में कोर्डियोलोजिस्ट का न होना बताया। उन्होंने आगे बताया कि उक्त संबंध में मैने अपने स्तर से काफी प्रयास किया पर अभी तक कोई कोर्डियोलोजिस्ट न आ सका।

# गोला टूरिज्म ने विनायक द्वार पर गणेश जी की मूर्ति का किया सौंदर्यीकरण

मेरी जुबान ब्यूरो

गोला-खीरी। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य पर नीलकंठ मैदान स्थित विनायक द्वार पर प्रतिष्ठित गणेश जी की प्रतिमा जो वर्ष २०१३ में शंभू कुमार द्वारा नीलकंठ मैदान बनवाते वक्त बनी थी। उसका सात वर्ष बाद गोला टूरिज्म संस्था ने रंग रोगन से सौंदर्यीकरण किया।

जिससे प्रतिमा और द्वार में चार चांद लग गए।

मूर्ति कलाकारी का काम राजेन्द्र सोनी (प्रवक्ता, कला विषय) द्वारा किया गया।

उन्होंने गणेश जी की प्रतिमा को अपनी कला प्रतिभा से जीवंत कर दिया।

गोला टूरिज्म के युवा अपने ज्ञान और विज्ञान के समन्वय से डिजिटल प्लेटफार्मों, अभियानों व कार्यक्रमों से नगर व डिजिटल वर्ल्ड का ध्यान आकर्षित करते रहते है और गोला गोकर्णनाथ को विश्व पटल पर डिजिटल माध्यम से सही जानकारी सहित पहुंचा रहे हैं।

विघ्नहर्ता श्री गणेश जी को अपनी आराधना के तौर पर संस्था ने प्रतिमा सौंदर्यीकरण कर उनके चरणों में अपने भाव समर्पित किए। अपने इस श्रेष्ठ कार्य द्वारा संस्था ने यह भी साबित किया की हर काम केवल सरकार का नहीं बल्कि नागरिक और युवाओं का भी है और एक बार जो तय कर लिया जाए तो वह कार्य निश्चित तौर पर होकर रहता है।

ये बड़ी बात है की संस्था ने केवल कहा नहीं कर के दिखाया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गोला टूरिज्म के विनायक श्रीवास्तव, प्रेम गुप्ता, प्रशांत मिश्रा, मिलिंद शुक्ला, अनुज त्रिवेदी व प्रांशु मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

# इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र को समाजवादी पार्टी ने दिया लैपटाप

मेरी जुबान ब्यूरो

गोला-खीरी। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा यूपी बोर्ड के इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अंकुश राठौर को लैपटाप भेजकर सम्मानित किया।

बता दें अंकुश राठौर पुत्र विनोद कुमार निवासी प्रतापपुर पोस्ट सनिगवां विधानसभा श्रीनगर को यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के दिशा निर्देशन पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल छात्र के घर पहुंचकर लैपटाप दिया हैं।

इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव रवि प्रकाश वर्मा, एमएलसी शशांक यादव, जिला अध्यक्ष कयूम खान, पूर्व विधायक राम सरन, उत्कर्ष वर्मा, आर.ए.उस्मानी, यशपाल चौधरी, विनय तिवारी, सुनील लाला, महासचिव नरेश यादव, उपाध्यक्ष अजय सिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष वाईडीसी संदीप वर्मा (एडवोकेट), हिमांशु पटेल, अमित वर्मा, मुन्ना यादव, अभय प्रताप सिंह, रियाजुल्ला खान, आकाश लाला, अंसार महलूद, अशोक वर्मा, रंजीत वर्मा सहित तमाम समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# रोड चौड़ीकरण से मकान व दुकान मालिकों में हड़कम्प

गोला संवाद्दाता

गोला-खीरी। पीडब्लूडी विभाग की कुंभकर्णी निद्रा का शिकार हुये कस्बा संसापुर के व्यापारी और मकान मालिक। विभाग पहले सोता रहा और जब लोगों ने मन मुताबिक जबह पर दुकान और मकान बना लिये तब अब तोड़ने की चेतावनी दे रहा है।

ज्ञात हो नेशनल हाईवे की मरम्मत और चौड़ीकरण का कार्य चलाया जा रहा है। जिसके लिये कस्बे में मध्य रोड से दोनों तरफ ७५-७५ फीट लिया जा रहा है। जिसकी जद में बहुत से लोगों के मकान व प्रतिष्ठान आ रहें हैं। ऐसी हालत में कस्बे वासियों में हड़कम्प मचा हुआ है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष गोवर्धन लाल, ग्राम प्रधान राम प्रसाद, किशोर गुप्ता, रामानुज मिश्रा, मुकेश वर्मा, मुकेश राजपूत, सद्दाम हुसैन, अजय दीक्षित व सर्वेश गुप्ता आदि अन्य कई लोग पी०डब्लू डी० विभाग के सीमांकन की जद में आये हैं।

इस समस्या के समाधान के लिये क्षेत्रीय विधायक रोमी साहनी की मदद ली गयी है। उन्होंने डीएम खीरी को सारे मामले से अवगत करा दिया है। डीएम ने यथासंभव मदद का अश्वासन भी दिया है। देखना यह है कि उक्त मामले में क्या होता है?

# पीड़ित परिवार को सरकार ने दिया पांच लाख का चेक

- २४ घंटे में ही पुलिस ने किया घटना का अनावरण
- परिवार को हर संभव मदद के लिए किया आश्वस्त

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। बीते दिनों जिले के विकासखण्ड बेहजम थाना नीमगांव क्षेत्र अन्तर्गत मृतक बालिका के साथ हुऐ जघन्य अपराध का सूबे के मुखिया ने संज्ञान लेते हुए जिले के निर्देश पर धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा ने थाना नीमगांव क्षेत्र अंतर्गत मृतक बालिका के परिजनों से मुलाकात कर ५ लाख की चेक आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। इस दौरान धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा ने पीड़ित परिवार की हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मितौली दिग्विजय कुमार सिंह मौजूद रहे।

डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों के साथ हुए अत्याचार उत्पीड़न के मामलों में उत्तर प्रदेश सरकार की अत्याचार उत्पीड़न योजना के अंतर्गत ०४ लाख १२ हजार ५०० रुपये की प्रथम किस्त आरटीजीएस के माध्यम से पीड़ित के पिता के खाते में अंतरित की जा रही है। उन्होंने बताया कि विवेचना उपरांत द्वितीय किस्त भी ०४ लाख १२ हजार ५०० रुपये दी जायेगी। बताते चलें कि गत २५ अगस्त को थाना नीमगांव क्षेत्र के अंतर्गत धारा ३०२/३७६ के पंजीकृत बनाम अज्ञात के अभियोग में पुलिस ने तत्परता से विवेचना करते हुए सभी पहलुओं पर छानबीन की और खीरी पुलिस द्वारा २४ घंटे के अंदर पूरी घटना का पर्दाफाश करते हुए हुए अनावरण किया और अभियुक्त दिलशाद पुत्र साजिद निवासी कस्बा बेहजम थाना नीमगांव खीरी को सुसंगत धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

## रिश्वत मांगने का आडियो वायरल होने पर महिला लेखपाल निलंबित

मेरी जुबान ब्यूरो

निघासन-खीरी। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत परमोधापुर निवासी सोबरन लाल मौर्य व जनसेवा केंद्र संचालक सन्तोष कुमार सम्बंधित लेखपाल द्वारा प्रति प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के बदले उनसे रिश्वत की मांग की गई थी।

आय जाति व निवास प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने के लिए महिला लेखपाल द्वारा रिश्वत मांगने का आडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था वायरल हुए आडियो को उच्चाधिकारियों ने संज्ञान में लेकर जवाब मांगा था।

वायरल आडियो का एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता ने संज्ञान लिया और महिला लेखपाल सोनम जयसवाल को निलंबित कर दिया है।

## इसे भी जानें

प्रस्तुति - शिव कुमार वर्मा गोला-खीरी

**कर्मेन्द्रिय** - वाक इंद्री से बोलते हैं। हस्त से वस्तुओं को ग्रहण करते हैं। पैर से गमन करतें हैं। गुदा से मल त्याग करते हैं। लिंग से विषयानन्द करते हैं। इन्हीं को कर्मेन्द्रिय कहते हैं।

**प्राण वायु** - हृदय में रहकर नासिका द्वारा मुख से भीतर बाहर आती जाती है और भोजन को भीतर ले जाती है।

**अपान वायु** - जो नाभि में रहती है और मल मूत्र को बाहर निकालती है।

**समान वायु** - जो नाभि में रहती है। और जठराग्नि की सहायता से खान पान के रस को कोख से अलग करती है।

## शिव पुराण के आलोक में

प्रस्तुति - शिव कुमार वर्मा गोला-खीरी

### रुद्राक्ष

१. त्रिमुखी रूद्राक्ष को धारण करने से धन तथा आयु की वृद्धि होती है एवं स्त्री हत्या का पाप नष्ट होता है।

२. चतुर्मुखी रूद्राक्ष ब्रम्हा जी का स्वरूप है। ऐसे रूद्राक्ष का दर्शन एवं स्पर्श करने से चारों पदार्थ सदैव प्राप्त होते रहते हैं।

## व्यंग

### "बाढ़ की त्रासदी में डूबा रामसहाय, ऊपर से भजनखबरी के साथ कैमरामैन टाइम पास"

भजनखबरी न्यूज चौनल का माइक कांख में ऐसे दबाए है, जैसे सुग्रीव ने रावण को दबाया हो। सिर पर किसी का माँगा हुआ पालिथिन कवर लगाए बाढ़ में माँग-माँगकर खाने वालों की डाक्युमेंटरी फिल्म बनाने निकला है। साथ में है कैमरामैन टाइमपास टकला। वह बाढ़ में एकदम भीग चुका है। बाढ़ के पानी से नहीं, पसीने के पानी से। बाढ़ में कहीं कैमरा न खराब हो जाए इसी चिंता में उसके बदन से धाराप्रवाह के साथ पसीना छूट रहा है। दोनों ने पैंट तो ऐसे फोल्ड कर रखा है, जैसे बाढ़ की त्रासदी इन दोनों पर ही टूटी हो। किसी के घर की छत पर बैठकर भजनखबरी ने बाढ़ में धड़ तक डूबे रामसहाय से पूछा आपको कैसा लग रहा है? रामसहाय ने बनावटी हँसी हँसते हुए और दाँत निपोरते हुए कहा साहब! यहाँ बड़ा मजा आ रहा है। जब भगवान ने गरीबों के लिए इतना बड़ा स्विमिंगपुल बनाया है तब मजा लेने का कोई अवसर कैसे गंवा सकते हैं? एकदम स्वर्ग-सा एहसास हो रहा है। इस पर भजनखबरी ने रामसहाय को आँखें दिखाते हुए कहा - यहाँ लोग बाढ़ से परेशान हैं और तुम्हें मजाक सूझ रहा है। दिमाग-विमाग ठिकाने तो है? रामसहाय ने मुँह पर तमाचा जड़ने वाला उत्तर देते हुए कहा - लगता है साहब आपका आपका दिमाग-विमाग खराब हो गया है। अब तुम्हीं बताओ भला किसी को बाढ़ में धड़ तक डूबे रहने में मजा आएगा? सवाल पूछने का भी अपना एक तरीका होता है। ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ का माहौल देखिए। महसूस कीजिए। फिर सवाल पूछिए। ऐसे थोड़े न होता है कि माइक उठाया और जो मुँह को आया सवाल पूछने लगे। रामसहाय का उत्तर सुन भजनखबरी इतना सा मुँह लेकर रह गया। उसने टाइमपास टकले को डाँटते हुए वीडियो क्लिप डिलीट करने के लिए कहा। डाक्युमेंटरी फिल्म की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाने के लक्ष्य से दोनों गिद्ध की तरह लाशों की खोज में लगे हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में हृदयविदारक दृश्य देखने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं। तभी उनकी नजर बच्चों की हथेलियों से भात खाने के लिए टूट पड़े चूहों पर पड़ी। वे ऐसे ही किसी दृश्य का बाहें खोले इंतजार कर रहे थे। मानो भगवान ने उनकी मुराद पूरी कर दी। टकले ने कैमरे को कुछ इस तरह पकड़ा जिसमें बच्चे की हथेली पर चूहे और भिनभिनाती मक्खियाँ कवर हो रहे थे। बच्चे की माता टकले और भजनखबरी को सहायता करने के लिए हाथ-पैर जोड़ रही है और कह रही है - बह गइले बाढ़वा में अन, धन, घरवा। ये दोनों महाशय हैं कि बहती गंगा में हाथ धोने का कोई अवसर गंवाना नहीं चाहते हैं। यहाँ इनकी गंगा बाढ़ के रूप में वरदान के रूप में प्रकट हुई है। किसी की खटिया बह गई तो किसी का खान-पान का पूरा सामान, किसी के जरूरी कागजात सड़-गल गए, तो किसी के बचे-खुचे रुपए भीग-भागकर ऐसे बन गए जिसमें गांधी जी को इतिहासकार भी पहचानने से इंकार कर देते। पाँच साल के कार्यकाल में बाढ़ आना सरकारी महकमों के लिए अनिवार्य होता है। न आए तो कमाने के सारे अवसर गंवा देते हैं। रो-रोकर छाती पीटते हैं। यह तो प्रसन्नता लाती हैं। बाढ़ से निबटने के लिए सरकार अरबों खरबों रुपया लुटाती है। इसी अवसर को धड़ल्ले से भुनाने के लिए सरकारी अफसर अपनी और थोड़ी-बहुत बाढ़ की स्थिति को सुधारने के लिए उसका बेहतर उपयोग करते पाए जाते हैं। आप उन्हें देखकर सहज ही अंदाज लगा सकते हैं कि वे अपने काम में कितने मशगूल और मगन हैं। खुशी उनकी छिपाए नहीं छिपती। साल भर बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें मौका मिला है कि अपनी ऊपरी कमाई में थोड़ी बढ़ोतरी ला सकें। ऐसे ही अवसरों का इंतजार करते हुए भजनखबरी और टकला भी देखे जा सकते हैं। दोनों ने मिलकर ऐसे-ऐसे दृश्य कैद कर डाले कि उसका कापीराइट बना लें तो जिंदगीभर बैठकर खा सकते हैं। कौन कहता है कि बाढ़ केवल तबाही लाता है, भजनखबरी और टकले जैसे लोगों के लिए ऐसी आमदनी का जरिया है जो इसे भुनाकर अपना मतलब साध सकते हैं। न्यूज चौनल वाले ऐसे दृश्यों को न दिखाने का भरोसा देकर सरकार से अच्छी-खासी रकम ऐंठते हैं। यही दृश्य फिर विपक्षी मीडिया को बेचकर दूसरी ओर से कमाते हैं। जिधर देखो उधर बाढ़ के नाम पर मोटी कमाई की जा रही है। सपने, उम्मीदें गलियों में नदी बनकर बह रहे बाढ़ में कहाँ खो गए पता ही नहीं चलता। बाढ़ दो शब्दों का खेल नहीं असंख्य जिंदगियों का रुदन है। एक ऐसी पीड़ा जिसमें सिर्फ चिंताओं की क्रीड़ा है। कहीं डूबे गाँवों की पीड़ा है, कहीं डूबे फसलों, खेतों, पुलों, सडकों, वाहनों को कुरेद-कुरेदकर छेड़ा है। इसने न केवल इंसानों को बल्कि खुदा के दरवाजों तक को डुबो डाला है। इतना होने के बाद भी जमाना इतना बदरंग है कि कइयों की मौत कुछ गिद्धों के लिए खबर बनती है। यह खबर गिद्धों के लिए सड़ी गली लाश ही सही नोंच-नोंचकर खाने, उस पर घड़ियाली आँसू बहाने वाले लेख लिखने, आलीशान कोठी बनाने का रास्ता खोल देते हैं। बाढ़ के दिनों में दिखायी देने वाले भजनखबरी और टकला हमारी त्रासदी के नरन राक्षस हैं। दुर्भाग्य से इन गिद्धों की प्रार्थना की अर्जी पत्थर दिल भगवान जल्दी मान लेते हैं और तबाही के मंजर वाले निम्नवर्गीय लोगों के रास्ते खोल देते हैं। इन रास्तों पर सदियों का मातम पसरा है। जहाँ असंख्य हृदय रोने पर मजबूर तो कइयों का झूठा जमीर हँसता हुआ दिखायी देता है।

# फेस पर लगाएं खीरे का मास्क पाएं जबरदस्त फायदे

मेरी जुबान हेल्थ रिपोर्ट

खीरे का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। वैसे तो इसे अक्सर सलाद या रायते के रूप में खाया जाता है, लेकिन इसके स्किन केयर बेनिफिट्स भी कम नहीं है। जी हां, समर्स और मानसून में खासतौर से खीरे को स्किन पर अप्लाई करने की सलाह दी जाती है। जहां कुछ महिलाएं इसकी स्लाइस करके अपनी आईज पर रखती हैं, तो वहीं कुछ महिलाएं इसका मास्क बनाकर अपने चेहरे पर अप्लाई करती हैं। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों और एंटीआक्सिडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह स्किन को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि खीरे का इस्तेमाल चेहरे पर करने से क्या-क्या लाभ होते हैं।

• एक्ने करें कम :- स्किन केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि इस मौसम में हमारी स्किन अधिक आयली व ग्रीसी हो जाती है। जिसके कारण पोर्स क्लग हो जाते हैं और एक्ने ब्रेकआउट होते हैं। ऐसे में खीरे का इस्तेमाल करना काफी लाभकारी है। दरअसल, खीरा आपकी स्किन को क्लींज करने के साथ.साथ उसे कूलिंग इफेक्ट भी देता है। इतना ही नहीं, यह पोर्स को टाइटन करने में मदद करता है, जिससे आपको मुंहासे होने की संभावना कम हो जाती है।

• आंखों की सूजन से छुटकारा :- स्किन केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आपको अपनी आंखों में थकान

व सूजन का अहसास हो रहा है, तो ऐसे में आपको खीरे का इस्तेमाल करना चाहिए। दरअसल, खीरा आपकी आंखों को ठंडक पहुंचाकर उसे एक फ्रेशनेस का अहसास कराता है। इतना ही नहीं, इससे आपको अंडर आई बैग्स, सूजन व थकी हुई आंखों से छुटकारा मिलता है।

• एजिंग साइन को करें कम :- स्किन केयर एक्सपर्ट की मानें तो खीरा एजिंग के साइन को कम करके आपकी स्किन को एक बार फिर से यूथफुल बनाता है। दरअसल, खीरे में विटामिन सी और फोलिक एसिड पाया जाता है और खीरे के इन्हीं गुणों के कारण अगर इसे स्किन पर बतौर फेस पैक लगाया जाए तो इससे फाइन लाइन्स व रिंकल्स काफी कम होते हैं। इतना ही नहीं, यह स्किन के एजिंग प्रोसेस को भी स्लो करता है, जिसके कारण आप लंबे समय तक जवां नजर आते हैं।

• त्वचा को करें हाइड्रेट :- खीरे में ९० प्रतिशत पानी होता है। इसलिए, जब शहद और एलोवेरा के साथ मिलाया जाता है, तो यह आपकी त्वचा को माइस्चराइज कर सकता है और चमक को वापस ला सकता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट करता है और उसे हर समय फ्रेश बनाए रखता है।

## किसान कांग्रेस के जिला मंत्री को मिला धमकी भरा पत्र

लखीमपुर-खीरी। किसान कांग्रेस के जिला मंत्री तरुण शालू भीखमपुर को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके दरवाजे पर पत्र लिख कर डाल दिया गया। सुबह जब शालू ने दरवाजा खोला तो उन्हें वह पत्र मिला पत्र में धमकी देते हुए उक्त व्यक्ति ने कांग्रेस संगठन में काम ना करने और लखीमपुर कांग्रेस कार्यालय आने पर देख लेने की ध मकी दी है। तरुण शालू भीखमपुर ने अपनी जान माल का खतरा बताते हुए जिला प्रशासन से जांच कराने कार्यवाही करने व सुरक्षा मुहैय्या कराने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू समेत पर्टी के समस्त पदाधिकारियों को पत्र भेज कर घटना से अवगत करा दिया गया है। जिले के सभी कांग्रेस जनों में इस घटना को लेकर रोष व्याप्त है।

## लद्दाख में ७५ दिन.....

पृष्ठ १ का शेष

लड़ाकू विमान अब भी उड़ान भर रहे हैं। १० सितंबर को भारत के पांचों राफेल वायुसेना में शामिल किए जाएंगे। गलवान झड़प के बाद लद्दाख में विवादित इलाकों से सैनिक हटाने के लिए भारत-चीन के आर्मी अफसरों के बीच २ बार मीटिंग हो चुकी हैं। ये बैठकें ३० जून और ८ अगस्त को चीन के इलाके में पड़ने वाले मल्डो में हुई थीं, लेकिन इसका कोई खास नतीजा सामने नहीं आया। आर्मी और डिप्लोमैटिक लेवल की कई राउंड की बातचीत के बावजूद चीन पूर्वी लद्दाख के फिंगर एरिया, देप्सांग और गोगरा इलाकों से पीछे नहीं हट रहा। चीन के सैनिक ३ महीने से फिंगर एरिया में जमे हुए हैं। अब उन्होंने बंकर बनाने और दूसरे अस्थायी निर्माण करने भी शुरू कर दिए हैं। सीडीएस रावत बोले थे- चीन नहीं माना तो सैन्य विकल्प तैयार भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने हाल ही में बड़ा बयान दिया था। रावत ने कहा था, ''चीन के साथ बातचीत से विवाद नहीं सुलझा तो सैन्य विकल्प भी खुला है। हालांकि, शांति से समाधान तलाशने की कोशिशें की जा रही हैं। आर्मी से लद्दाख में लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के आस-पास अतिक्रमण रोकने और इस तरह की कोशिशों पर नजर रखने के लिए कहा गया है। सीडीएस ने कहा है कि आर्मी से लद्दाख में लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के आस-पास अतिक्रमण रोकने और इस तरह की कोशिशों पर नजर रखने के लिए कहा गया है। सरकार बातचीत से विवाद निपटाना चाहती है, लेकिन अगर एलएसी पर हालात सामान्य रखने की कोशिशें किसी वजह से कामयाब नहीं हो पाएं, तो फिर सेना हर वक्त तैयार रहती है। रावत ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और दूसरे संबंधित लोग लद्दाख में एलएसी पर अप्रैल से पहले की स्थिति बहाल करने के सभी विकल्पों की समीक्षा कर रहे हैं। रावत ने इंटेलीजेंस एजेंसियों में को-आर्डिनेशन की कमी होने की बातों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है। मल्टी एजेंसी सेंटर की रोज मीटिंग होती है। हम सीमा पर अपने इलाकों में २४ घंटे निगरानी की व्यवस्था पर काम कर रहे हैं।

## कोविड केयर सेंटर.....

कहा कि जो भी छुटपुट समस्याएं यहां अवगत कराई गई हैं, उन्हें शीघ्र दूर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि भोजन के साथ-साथ तीनों तलों पर कैसर रोल में रोटियां रखवाने हेतु भी निर्देश दिए गए है। इस मौके पर डीएम के साथ सीएमओ डा. मनोज अग्रवाल सहित चिकित्सालय में ड्यूटी कर रहे चिकित्सा अधिकारी भी मौजूद रहे।

## पीड़ित परिवार ने.....

जन्म दिया था। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुभाष वर्मा के मुताबिक प्रसव के दौरान मां बेटी दोनों स्वस्थ थीं। मामला २३ अप्रैल को पुलिस तक पहुंचा और वहां भी पप्पी के पति बबलू और उसके परिवारीजनों ने मृत बेटी के जन्म लेने का बयान दिया। इसके कुछ देर बाद जब अस्पताल के रिकार्ड और अधीक्षक के बयान से यह प्रमाणित हुआ कि पप्पी ने मृत नहीं एक स्वस्थ बेटी को जन्म दिया था। तब भी कोतवाली पुलिस ने नवजात का शव तलाश करने की कोशिश तक नहीं की थी। ऐसा तब था जब पप्पी के ससुराल वालों का झूठ प्रमाणित हो चुका था और नवजात को वह लोग रात में ही दफना देने की बात कह रहे थे। इस मामले में पप्पी देवी के पिता श्रीकृष्ण ने बेटी और उसकी नवजात बच्ची की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई पर पुलिस ने रिपोर्ट तक लिखने की जहमत नहीं उठाई। सोमवार को श्रीकृष्ण, उनकी पत्नी व दो नाबालिग पुत्रियां कलेक्ट्रेट में डीएम दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। कहा कि जब तक रिपोर्ट नहीं दर्ज होगी धरने पर बैठे रहेंगें।

## चौकी इंचार्ज ने पकड़ी चाइनीज मटर

मेरी जुबान ब्यूरो

पलिया कला-खीरी। गौरीफंटा से सटे इंडो नेपाल सीमा क्षेत्र के कजरिया बनगांव कीरतपुर सूडा सौन्हा से जमकर खूब तस्करी हो रही है। बताया जाता है की यह सारे गाँव दोनों देशों के बीच बहने वाली मोहाना नदी के किनारे बसे हुए है। जहां से तस्कर आसानी से हर रोज करोड़ो रुपए के माल का आदान प्रदान करते हैं। जिसमे उक्त तस्करो को प्रतिदिन लाखों रुपए का फायदा होता है।

सूत्रों के मुताबिक इस काम के पीछे लाइन (चढ़ावा) अहम भूमिका निभाता है। जिसके चलते तस्कर आसानी से अपने काम को अंजाम देते हैं।

बताया जाता है कि यह चढ़ावा पलिया से लेकर सीमा तक हर सरकारी मंदिर में चढ़ाया जाता है। जिसके बल पर तस्कर बेखौफ होकर अपने काम को अंजाम देते हैं। ऐसा ही एक मामला पलिया के दुधवा रोड पर देखने को मिला जहां सीमा पार से बिक्री के लिए भारी मात्रा में लाई जा रही चाइनीज मटर को मुखबिर की सूचना पर पलिया के चौकी इंचार्ज उदयभान यादव ने पकड़ा।चौकी इंचार्ज द्वारा पकड़ी गई गाड़ी के ड्राइवर से पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने बताया कि पीछे और भी मैजिको में तस्करी का माल आ रहा था जिन्हें तस्करो के गुप्तचरों ने दाएं बाए करवा दिया है।

बताते हैं कि पुलिस के हाथ ड्राइवर का मोबाइल लगा है। जिससे काल डिटेल निकलवाकर पुलिस तस्करों के सरगना तक पहुंच सकती है।

हास्य व्यंग-साप्ताहिक

# यमराज की अदालत

(यमराज का दरबार लगा है। दैत्यादि चेयरासीन हैं। दरबार में गाते हुए नारद का आगमन होता है) :-

नारद :- व्यक्ति लालची स्वार्थी, धूर्त भ्रष्ट बेईमान।
फिर भी उसको चाहिए, शोहरत इज्जत मान।।
उजले कुर्ते में छिपा, है पिशाच खुदगर्ज।
लूट रहा रात दिन, यही लक्ष है फर्ज।।

यमराज :- प्रभू आज तेवर तीखे है। माजरा क्या है।

नारद :- हिन्दुस्तान की भेड़-बकारियों की दुर्दशा देखकर चिंतित हूं। कभी साइकिल जिन्दाबाद कभी कमल, कभी हाथी, कभी पंजा जिन्दाबाद। जबकि नेता जनता को उल्लू बनाकर अपना उल्लू सीधा कर करना चाहते है।
जानते हो :-

यमराज :- प्रभू उत्तर प्रदेश का भविष्य कैसा है?

नारद :- गजारूढ़-गजगामिन, पा पदकुल सिरमौर।
दोनों ही जोर है, हाथी साइकिल शोर।।

यमराज :- भगवान अन्य राजनीतिक दुकानदार क्या करेगें।

नारद :- कांग्रेस का ग्राफ शेयर बजार जैसा उछाल लेगा पंजा किसी का पंजा मरोड़ पाएगा। मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। कमल की हालत खस्ता है। कोरोना, बाढ़, आवारा गोवंशी पशु के कारण कमल नाल अन्दर ही अन्दर सड़ती दिखाई दे रही है। रहे छोटे-छोटे मोर्चा के घटक दल बरसाती मेढ़क है। जहां जनाधार दिखेगा, वही कूद जायेगें। मामलावहीं का वहीं रहा जायेगा। मुख्यमंत्री अखलेश या माया बनेंगे। बाकी घटक दलों के चार भले मानुष विधान सभा की देहरी लांघेगें। लेकिन अंत बिक जायेंगे क्योंकि मोर्चाओं का अस्तित्व चुनाव से पहले होता है बाद में वही होगा जो आज तक मोर्चाओं का हश्र हुआ है।

यमराज :- प्रभू उत्तर प्रदेश के कुछ जिले बाढ़ के कहर से पीड़ित है। वर्षा की बूदें तप्त धारा की इतनी प्यास बुझा दी की किसान धान गन्ना की पत्तियों तरस कर अपना भविय देख रहा है। क्या होगा किसान का?

नारद :- कुछ नहीं होगा यमराज। जानते हो आज सबसे ज्यादा धूर्त-बेइमान किसान मजदूर ही है। अगूंठा छाप होने के बावजूद राहुल को लड़पन्न कहता है। अखेलेश को परिवारवाद की संज्ञा देता है। मोदी को महान कहकर मजाक उड़ाता है। डोनल ट्रम्प के प्रसंगो को चटकारे लेकर सुनता है। कौन किसान हितैषी है और कौन किसान विरोधी जाने बिना कमल का दामन पकड़कर उन्नति का ख्वाब देखता है। भाई की जमीन हड़प लेता है। बाप को गरियाता है। लेकिन फिर भी रामराज्य को ख्वाब देखता है।

यमराज :- क्या यह समझा जाए कि किसान प्रजाति मूर्ख है।

नारद :- आरे नहीं भैंसासवार। किसान मजदूर महान बुद्धिमान है। न मानों तो भारत की तहसीलों में फर्जी पट्टों की फेरहिस्त देख लो। कौआ जैसा धूर्त सांप जैसा अविश्वासी, बंदर जैसा दलबदलू, बिल्ली जैसा स्वार्थी, सियार जैसा चालाक। क्या समझे।

यमराज :- प्रभू समझ रहा हूं।

नारद :- इसीलिए भारत को आजाद हुए पौहतर साल हो गए। लेकिन किसान मजदूर आज भी गुमनाम है। और इसीलिए सभी राजनीतिक दुकानदारों का डेरा गांवों में पड़ता है। क्योंकि एक यही प्रजाती ऐसी है जो बहकावे मे आ जाती है।

यमराज :- चलों प्रभू किसी बाढ़ ग्रस्थ गांव का दौरा किया जाए।

नारद :- नारद और यमराज का हाल अगले सप्ताह बाद सुनेगें।
"अच्छा सिला दिया तूने प्यार का।
यार ने ही लूट लिया घर यार का।

'कलिकवि'
मो. 9919596972

# पकड़े गये मोबाइल चोर

मेरी जुबान ब्यूरो

मितौली-खीरी। थाना प्रभारी अनिल कुमार सैनी गत दिवस हमराही उपनिरीक्षक जे०पी० यादव मय फोर्स के साथ पिपरझला में गश्त कर रहे थे कि अचानक मुखबिर की सूचना पर कि टेमरा मोड़ के पास दो संदिग्ध व्यक्ति मोबाइल बेचने जा रहे है, थाना प्रभारी अनिल कुमार सैनी ने मय फोर्स के साथ टेमरा मोड़ पर पहुचे पुलिस की गाड़ी को देखकर दोनो संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे। पुलिस फोर्स के द्वारा सतर्कता के साथ बल प्रयोग करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार प्रथम व्यक्ति ने अपना नाम सम्बारी राठौर तथा दूसरे ने रामकिशुन उर्फ भालू पुत्र मेवालाल निवासी इमिलिया बताया। दोनो के कब्जे से २० कीमती मोबाइल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस ने बताया गिरफ्तार व्यक्तियों ने अपने दो अन्य साथी गोविंद व विपिन निवासी इमिलिया मोबाइल चोरी में मेरे साथ थे। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को जेल भेज दिया है। पुलिस प्रमुख खीरी द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध संचालित अभियान के तहत मितौली पुलिस द्वारा अपराधियो की गिरफ्तारी के लिए धरपकड़ जारी है।

# टंकियों में जहरीला पानी

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। नगर पालिका परिषद की बड़ी लापरवाही तब उजागर हुई जब शहर के मोहल्ला थरवनगंज सुनहरी मस्जिद इलाके में टंकियों से जहरीला पानी आ रहा है तो दूसरी ओर उसमें सांप के बच्चे निकल रहें हैं।

लोगों का आरोप है कि पालिका परिषद द्वारा शहर के टैंको को साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर घोर लापरवाही की जा रही है जिससे इसका खामियाजा मुहल्ले वासियों को भुगतना पड़ रहा है। बता दें जहां एक तरफ जनता कोरोना जैसी महामारी से जूझ रही है तो वहीं दूसरी तरफ इस नगर पालिका की देन है कि पानी मे सांप लोगों के घरों की टंकी में निकल रहा है। यह मामला थर्वरणगंज निवासी मुशाहिद हुसैन के घर मे शाम को जब पानी भरने लगे तो उस पानी मे सांप का एक बच्चा निकला आया। पानी में सांप का बच्चा देखकर मुशाहिद हुसैन दंग रह गये। उन्होंने इसकी शिकायत नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी (ईओ) आर.आर. अम्बेश से की तो उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण के बारे में कल सुबह ११ बजे आफिस आकर बताना जिसपर कार्यवाही की जाएगी। मुहल्ले वासियों का कहना है कि अब कैसे मिलेगा पानी? स्वच्छता के मानकों को ताक पर रखकर शहर वासियों को प्रदूषित पानी सप्लाई किया जा रहा है।

## डीएम-एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर-खीरी। जिले में कोरोना संक्रमण के फैलाव को देखते हुए व उससे बचने हेतु जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार व एसपी सतेन्द्र कुमार खीरी द्वारा जिला कारागार खीरी का औचक निरीक्षण किया गया।

इस दौरान सम्पूर्ण कारागार परिसर का भ्रमण कर पुरुष बैरक, महिला बैरक, मेस, अस्पताल आदि का निरीक्षण करते हुए सघन चेंकिग व तलाशी करायी गयी। महिला बंदी गृह में बंदी महिलाओ के स्वास्थ्य एवं उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली गयी। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा हेतु जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी।

मेरी जुबान
संपर्क कार्यालय फोन. नं. 7905134240
संपादक - जयकिशोर वर्मा 9919596972
साहित्य लेखक - इकबाल अकरम वारसी 9335380992
गोला संवाददाता - शिवकुमार वर्मा 9838546182
संवाददाता - सुरेश कुमार मौर्य 9839889184
जिला संवाद्दाता - शिवम् पटेल 6393604214

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक जयकिशोर वर्मा के लिए राज आफसेट, केसरबाग, लखनऊ से मुद्रित कराकर हिन्दी साप्ताहिक मेरी जुबान, कार्यालय जिला पंचायत प्रांगण लखीमपुर-खीरी से प्रकाशित, सम्पादक - जयकिशोर वर्मा आर.एन.आई. 67056/97 मो0 9919596972, 7905134240 www.merijuban.com ई- मेल editormarijuban@gmail.com समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र लखीमपुर-खीरी होगा।